

## Padma Shri



### **SHRI SESHAMPATTI THIRTHAGIRI SIVALINGAM**

Shri Seshampatti Thirthagiri Sivalingam is a distinguished Nadaswaram artist who has dedicated his life to enriching the world with this traditional Indian art.

2. Born on 7<sup>th</sup> July, 1944, Shri Sivalingam began his training under his father, Shri Seshampatti P Thirthagiri, at the age of 7 and accompanied him to concerts, where he was exposed to greats like Karaikuruchi Arunachalam and TN Rajarathinam Pillai. For more advanced training, he moved to Thanjavur to train under Sri Keevalur NG Ganesan, then moved to Chennai in 1971 to earn his VADHYA VISHARADH degree from the College of Carnatic Music. In Chennai, he was trained under Sri Keeranur Ramaswami Pillai and later underwent special training under Sri Thiruvavarur Latchappa Pillai as a Government of India scholar. Having mastered the traditional methods, Shri Sivalingam developed his own distinctive style renowned for authentic raga alapanas. Over the decades, he rose to prominence as a leading Nadhaswaram virtuoso, enthralling audiences at eminent sabhas.

3. Shri Sivalingam has performed his ancient wind instrument, the Nadhaswaram, across the globe, including cities like New York, Pittsburgh, Chicago, San Diego and Sydney, while also participating in World Tamil Conferences. Through workshops and by mentoring international students in Carnatic music, he has propagated Indian classical music internationally, training students from countries like Denmark, Sweden, the USA, and Hungary.

4. Shri Sivalingam has also amassed a substantial body of work, including several acclaimed music albums with labels like Sangeetha, Cosmic, and MoserBaer. As a A-top grade artist, he has given numerous memorable performances in All India Radio (AIR) and Doordarshan for over fifty years. He has been invited to judge competitions and auditions for eminent organizations like AIR and has been featured in interviews by leading media outlets in recognition of his stature in the world of Carnatic music.

5. Shri Sivalingam has been recognized with numerous prestigious viz. Sangeet Natak Akademi Award, the Kalaimamani Award, the Isai Perarignar title from the Tamil Isai Sangam and the TTK Award from the Music Academy.



## श्री शेषमपट्टी तीरंतगिरी सिवलिंगम

श्री शेषमपट्टी तीरंतगिरी सिवलिंगम एक प्रतिष्ठित नादस्वरम कलाकार हैं जिन्होंने इस पारंपरिक भारतीय कला से विश्व को समृद्ध बनाने में अपना जीवन समर्पित कर दिया है।

2. 7 जुलाई, 1944 को जन्मे, श्री सिवलिंगम ने 7 वर्ष की आयु में अपने पिता श्री शेषमपट्टी पी. तीर्थगिरि के अधीन प्रशिक्षण शुरू किया और उनके साथ संगीत समारोहों में जाने लगे। वहाँ उनका संपर्क कराईकुरुची अरुणाचलम और टीएन राजरथिनम पिल्लई जैसे महान कलाकारों से हुआ। उच्च प्रशिक्षण के लिए, वह श्री कीवलुर एन जी गणेशन के पास तंजावुर चले गए, फिर 1971 में कॉलेज ऑफ कर्नाटक म्यूजिक से वाद्य विशारद की डिग्री के लिए चेन्नई चले गए। चेन्नै में, उन्होंने श्री किरणूर रामास्वामी पिल्लई से प्रशिक्षण लिया और बाद में भारत सरकार के विद्वान के रूप में श्री तिरुवरूर लचप्पा पिल्लई के अधीन विशेष प्रशिक्षण लिया। पारंपरिक विधियों में महारत हासिल करने के बाद, श्री सिवलिंगम ने विशुद्ध राग आलापों के लिए अपनी प्रसिद्ध विशिष्ट शैली विकसित की। समय के साथ, उन्होंने अग्रणी नादस्वरम कलाकार के रूप में ख्याति प्राप्त की और प्रतिष्ठित संगीत सभाओं में दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

3. श्री सिवलिंगम ने न्यूयॉर्क, पिट्सबर्ग, शिकागो, सैन डिएगो और सिडनी जैसे शहरों सहित दुनिया भर में अपने प्राचीन सुषिर वाद्ययंत्र, नादस्वरम की प्रस्तुति दी है, और विश्व तमिल सम्मेलनों में भी भाग लिया है। उन्होंने कार्यशालाओं के माध्यम से और अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को कर्नाटक संगीत की शिक्षा के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रचार किया है। उन्होंने डेनमार्क, स्वीडन, अमेरिका और हंगरी जैसे देशों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।

4. श्री सिवलिंगम ने संगीत, कॉस्मिक और मोजरबेयर जैसे लेबल के साथ कई प्रसिद्ध म्यूजिक एलबम निकाले हैं और इस क्षेत्र में काफी कार्य किया है। ए-टॉप ग्रेड कलाकार के रूप में, उन्होंने पचास वर्ष से अधिक समय से आकाशवाणी और दूरदर्शन में कई स्मरणीय प्रस्तुतियां दी हैं। उन्हें आकाशवाणी जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के लिए प्रतियोगिताओं और ऑडिशन में निर्णय देने के लिए आमंत्रित किया गया है और कर्नाटक संगीत की दुनिया में उनकी प्रतिष्ठा को देखते हुए प्रमुख मीडिया संगठनों ने उनके इंटरव्यू लिए हैं।

5. श्री सिवलिंगम को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए हैं जिनमें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, कलायमामणि पुरस्कार, तमिल ईसाई संगम से ईसाई पेरारिग्नार उपाधि और संगीत अकादमी से टीटीके पुरस्कार शामिल हैं।